No. of Printed Pages : 8

ACS-01

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME / CERTIFICATE PROGRAMME IN CONSUMER PROTECTION

Term-End Examination

08781

December, 2015

(APPLICATION ORIENTED COURSE)

ACS-01 : CONSUMER STUDIES

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Section I : Answer any **two** questions.*

*(ii) Section II : Answer any **four** questions.*

*(iii) Section III : Answer any **two** questions.*

SECTION I

*Answer any **two** of the following questions in about 600 words each. Each question carries 20 marks.* 2×20=40

1. Explain the meaning of Consumer Rights. Discuss in detail the Consumer Rights enshrined in the Consumer Protection Act, 1986.

2. Discuss in detail the three sets of issues faced by India in relation to Public Policy and Social Accountability.

3. Discuss the remedies available for negligence in the Banking Service with the help of decided case laws.

4. Discuss the scope and mode of Public Interest Litigation (PIL). Who is competent to file a petition under PIL ? Explain.

SECTION II

*Answer any **four** of the following questions in about 350 words each. Each question carries 12 marks.* $4 \times 12 = 48$

5. Discuss the role of Consumer Responsibility towards the society.

6. Discuss the historical perspective of the Consumer movement in India.

7. Define the terms 'Misbranded' and 'Adulterated' under the Consumer Protection Act, 1986.

8. Discuss with the help of case law the concept of 'Misleading Advertisement' and services rendered by 'Indian Airlines'.

9. Discuss in detail the three techniques involved in Effective Strategy Campaign and Advocacy Programmes.

10. Discuss the role of consumer in a market economy.

SECTION III

*Write short notes on any **two** of the following in about 150 words each. Each question carries 6 marks.* 2×6=12

11. Duties of a consumer as a corollary to the consumers' rights

12. Remedies provided under the Consumer Protection Act, 1986

13. Sale of Goods Act, 1930

14. The Bureau of Indian Standards Act, 1986

स्नातक उपाधि कार्यक्रम / उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2015

(व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम)
ए.सी.एस.-01 : उपभोक्ता अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) भाग I : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

*(ii) भाग II : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

*(iii) भाग III : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

भाग I

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं ।* *2×20=40*

1. उपभोक्ता अधिकारों का अर्थ स्पष्ट कीजिए । उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उल्लिखित उपभोक्ता अधिकारों की विस्तार से चर्चा कीजिए ।

2. लोक नीति और सामाजिक जवाबदेही के सम्बन्ध में भारत के समक्ष प्रस्तुत तीन प्रकार के मुद्दों की विस्तार से चर्चा कीजिए ।

3. विनिश्चित निर्णय-विधियों की सहायता से बैंकिंग सेवा में लापरवाही के लिए उपलब्ध उपचारों की चर्चा कीजिए ।

4. जनहित याचिका (पी.आई.एल.) के कार्यक्षेत्र और तरीके की चर्चा कीजिए । जनहित याचिका के अंतर्गत याचिका दायर करने के लिए कौन सक्षम है ? स्पष्ट कीजिए ।

भाग II

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 350 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के 12 अंक हैं ।* *4×12=48*

5. समाज के प्रति उपभोक्ता दायित्व की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

6. भारत में उपभोक्ता आंदोलन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिए ।

7. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 'ग़लत छापयुक्त' और 'अपमिश्रित' शब्दों को परिभाषित कीजिए ।

8. 'भ्रामक विज्ञापन' की अवधारणा और 'इंडियन एयरलाइन्स' द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की निर्णय-विधियों की सहायता से चर्चा कीजिए ।

9. प्रभावी कार्यनीति अभियान और पक्ष-समर्थन कार्यक्रमों में शामिल तीन विधियों की विस्तार से चर्चा कीजिए ।

10. बाज़ार अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

भाग III

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 6 अंक हैं ।* *2×6=12*

11. उपभोक्ताओं के अधिकारों के पूरक के रूप में उपभोक्ता के कर्तव्य

12. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत प्रदान किए गए उपचार

13. माल बिक्री अधिनियम, 1930

14. भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986